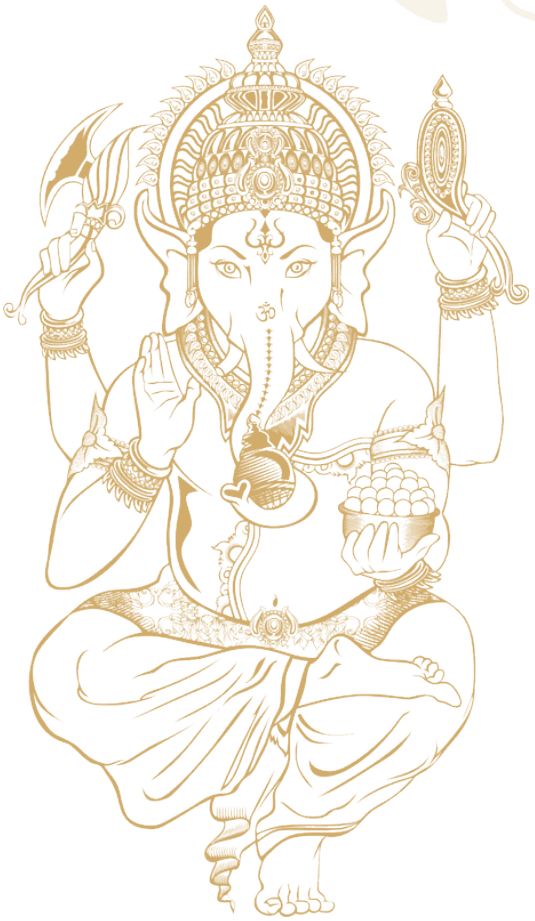

Ashish sapra

Priyanka khanna

Model: Web-FreeMatching

Order No: 121724302

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
21/06/1998	जन्म तिथि	05/05/1999
रविवार	दिन	बुधवार
घंटे 09:45:00	जन्म समय	12:45:00 घंटे
घटी 10:38:53	जन्म समय(घटी)	17:35:02 घटी
India	देश	India
Narnaul	स्थान	Delhi
28:04:00 उत्तर	अक्षांश	28:39:00 उत्तर
76:10:00 पूर्व	रेखांश	77:13:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:25:20	स्थानिक संस्कार	-00:21:08 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
05:29:26	सूर्योदय	05:37:52
19:24:35	सूर्यास्त	18:58:20
23:50:01	चित्रपक्षीय अयनांश	23:50:39

विंशोत्तरी शुक्र 1वर्ष 4मा 3दि	अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी केतु 0वर्ष 10मा 15दि
राहु	00:16:55	सिंह	लग्न	सिंह	00:05:26	चन्द्र
24/10/2022	05:46:37	मिथु	सूर्य	मेष	20:31:10	21/03/2026
23/10/2040	25:46:19	मेष	चंद्र	धनु	11:39:48	20/03/2036
राहु 06/07/2025	25:47:23	वृष	मंगल व	तुला	06:21:47	चन्द्र 19/01/2027
गुरु 30/11/2027	18:28:05	मिथु	बुध	मीन	29:59:25	मंगल 20/08/2027
शनि 06/10/2030	03:04:46	मीन	गुरु	मीन	25:19:43	राहु 18/02/2029
बुध 24/04/2033	02:12:31	वृष	शुक्र	मिथु	02:21:46	गुरु 20/06/2030
केतु 12/05/2034	07:15:54	मेष	शनि	मेष	13:54:35	शनि 19/01/2032
शुक्र 12/05/2037	09:52:12	सिंह व	राहु व	कर्क	23:41:23	बुध 20/06/2033
सूर्य 06/04/2038	09:52:12	कुंभ व	केतु व	मक	23:41:23	केतु 19/01/2034
चन्द्र 06/10/2039	18:26:40	मक व	हर्ष	मक	22:50:05	शुक्र 20/09/2035
मंगल 23/10/2040	07:45:54	मक व	नेप	मक	10:31:24	सूर्य 20/03/2036
	12:13:47	वृश्चि व	प्लूटो व	वृश्चि	15:57:25	

लग्न-चलित

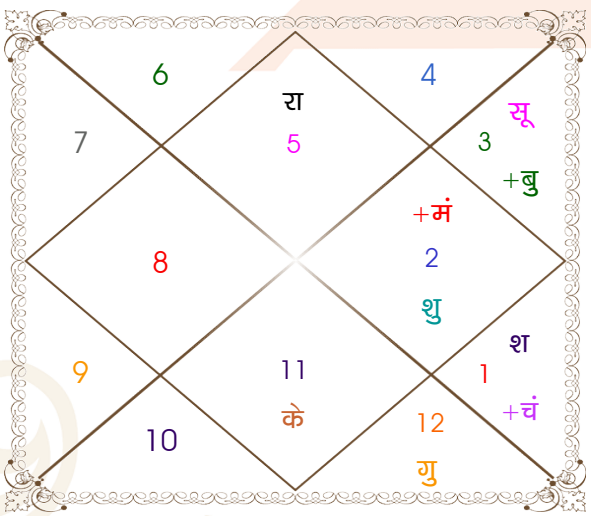

लग्न-चलित

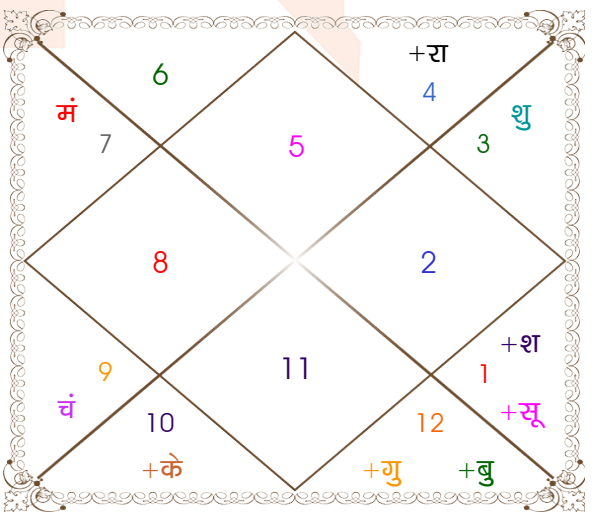

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	क्षत्रिय	क्षत्रिय	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	चतुष्पाद	मानव	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	सम्पत	अतिमित्र	3	3.00	--	भाग्य
योनि	गज	श्वान	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	मंगल	गुरु	5	5.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	मनुष्य	राक्षस	6	0.00	हाँ	सामाजिकता
भकूट	मेष	धनु	7	0.00	हाँ	जीवन शैली
नाड़ी	मध्य	आद्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	20.00		

गणदोष प्रभावहीन है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों मे मित्रता है।

भकूट दोष प्रभावहीन है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों में मित्रता है।

Ashish sapra का वर्ग मृग है तथा च्तपलंदां ींददं का वर्ग मूषक है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Ashish sapra और च्तपलंदां ींददं का मिलान शुभ है।

मंगलीक दोष मिलान

Ashish sapra मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में दशम् भाव में स्थित है।

च्तपलंदां ींददं मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में तृतीय भाव में स्थित है।

Ashish sapra तथा च्तपलंदां ींददं में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।